Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 195 , 21 दिसम्बर, गुरुवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

दिल्ली सरकार ने तिहाड़ जेल में एक तल बढ़ाने का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में कैदियों की बढ़ती भीड़ देखते हुए दिल्ली सरकार ने वहां एक मंजिला भवन में एक और तल बनाने का प्रस्ताव किया है। ऐसा करने पर जेल में कैदियों को रखने की क्षमता दोगुनी हो जाएगी। भारत के सबसे बड़े कारागारों में से एक उच्च सुरक्षा वाले तिहाड़ जेल में वर्तमान में करीब 10,500 कैदी रहते हैं जबकि इसकी स्वीकृत क्षमता करीब 7,000 कैदियों को रखने की है। अफसरों के मुताबिक तिहाड़ कारागार परिसर में नौ जेल हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में तिहाड़ जेल में तय क्षमता से ज्यादा कैदी रह रहे हैं। हमने इस एक मंजिला भवन में एक तल और बनाने की योजना बनाई है। प्रस्ताव से संबंधित एक फाइल गृहमंत्री सत्येन्द्र जैन को भेज दी गई है। अधिकारी ने बताया कि एक बार प्रस्ताव तैयार हो जाए तो इसे इजाजत के लिए एलजी के पास भेजा जाएगा।

मेट्रो स्टेशन पर यात्री से मिली पिस्टल, गिरफ्तार

नई दिल्ली। नेहरू प्लेस मेट्रो स्टेशन पर बैग की जांच के दौरान एक यात्री से पिस्टल बरामद की है। घटना दोपहर 2 बजे की है। सीआईएसएफ सूत्रों के अनुसार दोपहर 2 बजे लखनऊ शहर के विजय नगर निवासी सुमित मिश्रा नेहरू प्लेस मेट्रो स्टेशन पर पहुंचकर अपना सामान स्क्रीनर पर रखा तो बैग में कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। संदिग्ध सामान दिखाई देने पर सामान की पुन: जांच की गई तो उसमें देशी पिस्टल मिली देसी पिस्टल मिलते ही सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में ले लिया और मामले की जानकारी दिल्ली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस ने मेट्रो स्टेशन पहुंचकर सुमित पांडेय को गिरफ्तार कर लिया और पिस्टल जब्त कर ली । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

आईसीएआई ने आयोजित किया ''नेशनल टैलेंट हंट'

नई दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ओर से 'नैशनल टैलेंट हंट (एलक्यूशन)' के ग्रेंड फिनाले का आयोजन एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में किया गया। प्रतियोगिता में तीन सौ से ज्यादा प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 20 प्रतियोगियों ने क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं जीती थीं। प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेताओं को क्रमश: 31,000 रुपये 21,000 रुपये और 11,000 रपए नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भाजपा सांसद के आवास में लगी आग

नई दिल्ली। भाजपा सांसद बी श्रीरामुलु के आवास में मंगलवार तड़के आग लग गई। दिल्ली दमकल सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि तड़के करीब साढ़े पांज बजे सांसद के शयनकक्ष में रखे एक सोफा में आग लग गयी। दो दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

मंदिर के पास शौच करने को लेकर युवक को बेरहमी से पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंदिर के पास स्थित रामलीला मैदान की दीवार के पास शौच कर रहे एक युवक की तीन लोगों को जमकर पिटाई कर दी। घटना में पीड़ित युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इस दौरान पीड़ित युवक को बचाने पहुंचे उसके दोस्तों पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया और किसी धारदार चीज से वार कर उन्हें भी घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान रजत तीरथ के रूप में हुई है, उसके दोनों साथियों की पहचान रोहित व राकेश के रूप में हुई। घटनास्थल से वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। उधर, घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां रजत को करीब आधा दर्जन टांके लगाए गए हैं। वहीं बाद में इस बाबत पीड़ित रोहित ने बयान देकर मामले में केस दर्ज कराया। उसने बयान में बताया कि घटना को अंजाम देने वाले तीनों ही आरोपी उसी इलाके के रहने वाले हैं, जिनकी पहचान राहुल, सागर व तुषार के रूप में हुई है। जिन्होंने धार्मिक स्थल पर शौच करने की बात को लेकर मारपीट की। सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे हुई इस घटना में पीड़ित के बयान पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए छानबीन शुरू कर दी है।

विधान सभा चुनाव के पूर्व मीडिया विभाग को काफी विस्तारित व मजबूत बनाया गया

माकन ने किया मीडिया टीम का विस्तार, युवाओं को बनाया प्रवक्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन ने मीडिया टीम को मजबूत करते हुए तेरह युवा चेहरों को प्रवक्ता नियुक्त किया है। इन युवाओं को दिल्ली सरकार के कामकाज का ब्योरा तैयार करने हेतु छाया टीम में शामिल किया गया था जिन्हें अब प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंप दी गई है। मुख्य प्रवक्ता शर्मिष्ठा मुखर्जी को कम्यूनिकेशन विभाग का प्रभारी बनाया गया है जिनके नेतृत्व में ये तेरह प्रवक्ता काम करेंगे। मुखर्जी दो वर्षो से माकन के बाद कम्यूनिकेशन टीम में दूसरे नंबर की भूमिका में हैं लेकिन विधान सभा चुनाव के पूर्व मीडिया विभाग को काफी विस्तारित व मजबूत बनाया गया है। आयानगर से निगम पार्षद वेद पाल को प्रवक्ता बनाया गया है साथ ही उन्हें आरटीआई विभाग का भी प्रभार दिया गया है। वेद पाल ने दिल्ली विविद्यालय में भी एनएसयूआई में अच्छी भूमिका निभाई जिसके बाद प्रदेश में उन्हें आरटीआई विभाग का प्रभाग दिया गया। अब उन्हें प्रवक्ता की टीम में शामिल किया गया है। इसी प्रकार एनएसयूआई के साथ युवक कांग्रेस में वर्षो से सक्रिय भूमिका निभाने वाले मेंहदी माजिद को मीडिया कोआर्डिनेटर बनाया गया है। माजिद एक वर्ष से लगातार मीडिया कोआर्डिनेशन करते रहे हैं व अजय माकन के विश्वस्त माने जाते हैं।

माजिद के साथ शिवम भगत को भी कोआर्डिनेशन का भार दिया गया है जो एचकेएल भगत के पोते हैं। प्रदेश कांग्रेस के तेरह प्रवक्ता की टीम में निगम पार्षद अभिषेक दत्त, रागिनी नायक, अमन पवार, राजीव मिश्रा, आले मोहम्मद इकबाल, इशरत जहां, सुधा सिंहा, रिंकू जयंत, प्रेरणा सिंह व नईम जहां हिना भी शामिल हैं। अजय माकन के कम्यूनिकेशन टीम में सभी तेरह युवा चेहरे हैं जिन्हें लगभग दो साल प्रदेश कांग्रेस के छाया टीम के रूप में कार्यानुभव भी है। नए प्रवक्ता के अलावा रजनीश पंवार को सोशल मीडिया टीम का अध्यक्ष बनाया गया है ताकि प्रदेश कांग्रेस की पहुंच को फेसबुक व ट्विटर पर मजबूत किया जा सके।

सोशल मीडिया के लिए अनिरूद्ध शर्मा को स्टेट कनवेनर बनाया गया है। इसके साथ ही किसी विषय की तह में जाने के लिए रिसर्च टीम बनाई गई है व डा सुरेन्द्र कुमार को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ प्रशांत कुमार, पूजा बाहरी व विनोद यादव को भी जोड़ा गया है। आरटीआई टीम में पूर्व से कार्यरत वेद पाल को ही रखा गया है। पहली बार प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन ने विधान सभा, ब्लाक स्तर व बूथ स्तर तक कम्यूनिकेशन विभाग के वालंटियर नियुक्त करने की योजना बनाई है। ये नियुक्ति अगले महीने की जाएगी।

शोर मचाने पर पुलिस ने एक युवक को दबोचा, दूसरा फरार

संसद मार्ग पर दो युवतियों से छेड़छाड़

नई दिल्ली(एजेंसी) अतिसुरक्षित माने जाने नई दिल्ली जिले के एक पांच सितारा होटल के बाहर बाइक सवार दो लोगों ने वहां मौजूद दो युवतियों से कथित तौर पर छेड़खानी कर दी। युवतियों के शोर मचाने के बाद एक आरोपी को गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने धर दबोचा जबकि दूसरा वहां से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस इस बाबत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना 14 दिसम्बर की शाम को उस वक्त हुई जब देश निर्भया सामूहिक बलात्कार कांड की पांचवीं बरसी मनाए जाने की तैयारी कर रहा था। उसी दिन देर शाम को संसद मार्ग इलाके में स्थित पंच सितारा होटल शंग्रीला के बाहर मौजूद दोनों युवतियां कैब का इंतजार कर रही थीं। उस वक्त बाइक सवार दो युवक आए और युवतियों को अकेला देखकर उनके साथ छेड़खानी शुरू कर दी।

दोनों ने जब इसका विरोध किया तब इनमें से एक आरोपी ने गालियां देनी शुरू कर दी वहीं दूसरा फब्तियां कसने लगा। इस पर दोनों युवतियां शोर मचाने लगी, जिसके बाद शोर सुनकर मौके पर गश्त कर रहे पहुंचे पुलिसकर्मियों ने भागते हुए युवकों में से एक को धर दबोचा जबकि दूसरा आरोपी वहां से भाग निकला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इनमें एक युवती पश्चिम बंगाल और दूसरी उत्तर प्रदेश निवासी है जबकि दबोचे गए आरोपी का नाम मोहम्मद सनद है।

राज्यसभा सांसद बने ठगी का शिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फोन पर अपने बैंक का विवरण देकर ठगों के चंगुल में फंस जाने वाले आम लोगों के बारे में आपने कई बार सुना होगा। लेकिन ताजा मामले में ठगी का शिकार बने हैं, पंजाब से राज्यसभा सांसद व कांग्रेस नेता शमशेर सिंह डुल्लो। घटना के बाद पीड़ित सांसद ने दिल्ली पुलिस की साइबर सेल में मामले की शिकायत करते हुए केस दर्ज कराया है। फिलहाल पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए केस की छानबीन शुरू कर दी है। नई दिल्ली के बीडी मार्ग स्थित एमपी फ्लैट्स के स्वर्ण जयंती डीलक्स निवासी राज्यसभा सांसद शमशेर सिंह डुल्लो ने संयुक्त आयुक्त को दिए अपने लिखित शिकायत में बताया कि किसी ने उनके नंबर पर फर्जी तरीके से फोन कर अपने आप को बैंककर्मी बताते हुए धोखे से उनके बैंक का सारा विवरण जान लिया।

एसीपी रैंक के अधिकारियों का हुआ तबादला

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अधिकारियों का ट्रांसफर पोस्टिंग करते हुए कुछ एसीपी रैंक के अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। जिनमें कुछ नए नियुक्त किए गए हैं, जबकि कुछ अधिकारियों की जगह बदली गई है।राजीव कुमार को एसीपी मधु विहार नियुक्त किया गया है, सचिन शर्मा को एसीपी मुंडका, कुशाल पाल सिंह को एसीपी नजफगढ़, विक्रम सिंह को एसीपी डाबरी, अमित गोयल को एसीपी सदर बाजार, आकांक्षा यादव को एसीपी पश्चिम विहार, विनित कुमार को एसीपी नांगलोई, गितांजली खंडेलवाल को एसीपी दरियागंज नियुक्त किया गया है। उधर गुरमीत सिंह पन्नू को द्वारका डीवीजन एसीपी के तौर पर तबादला किया है, साथ ही राजेन्द्र प्रसाद को एसीपी सीएडब्ल्यु सेल, विरेश्वर सिंह को एसीपी तीसरी बटालियन डीएपी, सय्यद अब्दुल राशिद को एसीपी पीजी सेल, राजेन्द्र किशोर ओझा को एसीपी आरपी भवन, राजबीर मलिक को एसीपी सेक्योरिटी के तौर पर तबादला किया गया है।

पब्लिक स्कूलों में नर्सरी दाखिले की दौड़ 27 से

स्कूलों में आवेदन की अंतिम तिथि 17 जनवरी 2018

दाखिले की पहली लिस्ट 15 फरवरी कोदाखिले की दूसरी लिस्ट 28 फरवरी कोतीसरी दाखिला लिस्ट(यदि हो) 15 मार्च कोदाखिले की अंतिम तिथि 31 मार्च रहेगी स्कूलों को 100 प्वाइंट्स सिस्टम से होंगे दाखिलेस्कूलों को क्राईटेरिया बनाने की छूट, जनरल कोटे के लिए गाइंडलाइंस नर्सरी के लिए आयुसीमा 4 साल व केजी के लिए 5 साल से कम पहली कक्षा के लिए अधिकत्तम आयुसीमा 6 साल से कमशिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए जारी की गाइडलाइंस

राजधानी के गैर सहायता प्राप्त पब्लिक स्कूलों में नर्सरी दाखिले की दौड़ इस बार नये साल से पहले 27 दिसम्बर से शुरू की जा रही है। स्कूलों में नर्सरी दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 17 जनवरी 2018 रख गई है। इसी प्रकार आवेदन के बाद स्कूलों को नर्सरी दाखिले की पहली सूची 15 फरवरी और दूसरी सूची 28 फरवरी को जारी करनी होगी। नर्सरी, केजी व पहली कक्षा के लिए अधिकतम आयु सीमा क्रमश: 4, 5 और 6 साल से कम तय की गई है। शिक्षा निदेशालय ने मंगलवार को गैर सहायता प्राप्त स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2018-19 के नर्सरी, केजी, पहली कक्षा के दाखिले की गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। निदेशालय द्वारा जनरल कोटे की 75 फीसद सीटों की जारी गाइडलाइंस के तहत स्कूलों को न्यायोचित दाखिला क्राईटेरिया तय करने की छूट होगी, लेकिन कोर्ट द्वारा नर्सरी दाखिले पर रोक लगाए गए 51 बिन्दुओं पर रोक रहेगी। बीते साल की तरह इस साल भी स्कूल नर्सरी दाखिले के लिए नेबरहुड, सिबलिंग, एल्यूमनी व सिंगल पैरेंट्स के तहत 100 प्वाइंट्स का क्राईटेरिया बना सकते हैं। गाइडलाइंस के तहत 1 फरवरी को स्कूलों को आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की सूची जारी करनी होगी। इसी प्रकार 8 फरवरी को विद्यार्थियों को क्राईटेरिया के तहत दिए गए प्वाइंट्स के साथ सूची जारी करनी होगी। इसके बाद 15 फरवरी को पहली दाखिला सूची जारी करनी होगी। 16 से 20 फरवरी तक दिए गए प्वाइंट्स व लिस्ट को लेकर अभिभावकों को किसी तरह की आपत्ति दर्ज कराने के लिए समय देना होगा। सके बाद दूसरी दाखिला सूची 28 फरवरी को जारी की जाएगी। इसके बाद 1 से 7 मार्च तक अभिभावकों को इस लिस्ट को लेकर किसी तरह की आपत्ति है तो उसके लिए समय देना होगा। इसके बाद भी यदि सीटें बचतीं हैं तो तीसरी दाखिला लिस्ट 15 मार्च को जारी करनी होगी। इसके बाद दाखिले की अंतिम तिथि 31 मार्च रखी गई है।पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक की प्रधानाचार्य रुमा पाठक ने कहा कि हम शिक्षा निदेशालय की नर्सरी गाइडलाइंस की प्रतिक्षा कर रहे थे और आज ही इसे जारी कर दिया गया है। निदेशालय ने समय से पहले आवेदन प्रक्रिया शुरू करने को कहा है, इसे स्कूलों को भी अपनी तैयारी करने का समय मिल जाएगा। साथ ही अभिभावकों के लिए आसानी रहेगी।

प्रदेश भाजपा का क्रिकेट टूर्नामेंट समापन की ओर

तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में चौहान बांगर विजयी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश भाजपा के क्रि केट टूर्नामेंट में मंगलवार को तीसरे एवं चौथे स्थान के लिए हुए मुकाबले में चौहान बांगर की टीम ने अशोक नगर वार्ड की टीम को हरा दिया। पहले खेलते हुए अशोक नगर वार्ड की टीम पूरे ओवर खेलने से पहले ही लड़खड़ा गयी।

चौहान बांगर की टीम ने पूरे 20 ओवर खेलते हुए आसानी से जीत का लक्ष्य पा लिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने चौहान बांगर की टीम को 51 एवं अशोक नगर की टीम को 31 हजार रपए का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की है। खासबात यह है कि भाजपा विधायक ओपी शर्मा ने इन दोनों टीमों को 50-50 हजार रपए के चेक भेंट किए। यह जानकारी मीडिया विभाग के आनंद त्रिवेदी ने दी। क्रिकेट टूर्नामेंट अब समापन की तरफ बढ़ने लगा है। मंगलवार को टूर्नामेंट में तीसरे एवं चौथे स्थान के मुकाबले के लिए मैच खेला गया।

पूर्वी दिल्ली के ताहिरपुर खेल परिसर, हरी नगर खेल परिसर, रोहिणी खेल परिसर एवं किशनकुंज खेल परिसर में कुल 8 मैच खेले गए। अशोक नगर की टीम ने पहले खेलते हुए 19.1 ओवर में कुल 132 रन बनाए। यानी टीम के सभी खिलाड़ी पूरे ओवर खेलने से पहले ही लड़खड़ा गए। जबकि चौहान बांगर की टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 133 रन बनाकर जीत का लक्ष्य पार कर लिया। टूर्नामेंट का फाइनल पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर 25 दिसम्बर को खेला जाएगा।

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन के लिए खेलकूद प्रकोष्ठ के सह-संयोजक विनय मणि त्रिपाठी, आनंद त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष नीलदमन खत्री, अनिल शर्मा, सचिन शर्मा, लोचन गुप्ता, प्रमोद गुप्ता समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं खेल प्रेमी मौजूद थे।

विजेता टीम को 51 व दूसरे नंबर की टीम को 31 हजार की घोषणाभाजपा विधायक ने दोनों टीमों को दिये 50-50 हजार के चेक

पहले खेलते हुए अशोक नगर वार्ड की टीम पूरे ओवर खेलने से पहले ही लड़खड़ा गयी।

आम जनता को सीलिंग से राहत देने के लिए पार्षद लगा रहे कैम्प

पूर्वी दिल्ली(एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली नगर निगम पिछले कई दिनों से क्षेत्रों में चल रही सीलिंग की कार्यवाही को लेकर जहां पार्षद परेशान हैं वहीं निगमायुक्त ने अफसरों को आदेश दे रखे हैं कि रिहायशी क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही फैक्टरियों पर निगम की कार्यवाही जारी रहेगी। पिछले दिनों सीलिंग से राहत देने के लिए निगम ने घरेलू उद्योग चलाने वालों को लाइसेंस बनाने को कहा। इसी को लेकर उपमहापौर विपिन बिहारी सिंह ने अपने वार्ड में घरेलू उद्योग का लाईसेंस बनाने को एक कैम्प आयोजित किया। इस दौरान करीब 100 से 150 लोग लाईसेंस बनवाने पहुंचे थे लेकिन इनमें से 30-35 लोग ऐसे थे जिनके घरेलू उद्योग के लिए लाइसेंस बनाए जा सकते थे। मौके पर मौजूद अफसरों ने फैक्टरी मालिकों को फार्म भरने को दिए और उनकी शतरें को पूरा कर निगम कार्यालय में फार्म जमा कराने की बात की। इस मौके पर उप महापौर विपिन बिहारी ने आए फैक्टरी मालिकों से कहा कि वे जल्द से जल्द फार्म भरकर निगम में जमा कराएं ताकि सीलिंग की कार्यवाही से वे बच सकें। वहीं विास नगर के पार्षद अंजू कमलकान्त ने भी अपने वार्ड में भी घरेलू उद्योग चलाने वालों के लिए कैम्प लगाया। साउथ जोन अतीक अहमद कहना है कि घरेलू उद्योग चलाने के लिए लोगों को राहत तभी मिल सकती है जब वे निगम से अपना लाइसेंस बनवा लेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द लोग अपना घरेलू उद्योग चलाने के लिए लाईसेंस बनवाए ताकि सीलिंग की कार्यवाही से बच सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदूषण फैलाने वाली किसी भी फैक्टरी को बख्शा नहीं जाएगा उनपर सीलिंग की कार्यवाही होगी।

23 दिसम्बर से 10 जनवरी 2018 तक अधिकांश सरकारी अस्पतालों के 50 फीसद डाक्टर अवकाश परएम्स,

सरकारी डाक्टर लंबे विंटर वैकेशन पर, मरीज परेशान

सफदरजंग सहित कई अस्पतालों में शीतकालीन अवकाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दिनों में राजधानी के अस्पतालों में मरीजों को दिक्कतें होने वाली हैं। इसकी वजह है 23 दिसम्बर से शुरू हो रहा शीतकालीन अवकाश। इस दौरान एम्स व सफदरजंग सहित दिल्ली के कई अस्पतालों के 50 फीसद डॉक्टर छुट्टी पर रहेंगे। ऐसे में अगले 20 दिनों तक सेवाएं प्रभावित रहने के आसार हैं। शनिवार से एम्स, सफदरजंग और डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल के आधे डॉक्टर छुट्टियों पर जाने वाले हैं। केंद्रीय स्वास्य मंत्रालय के निर्देश के बाद एम्स ने डॉक्टरों की छुट्टी को लेकर आदेश भी जारी कर दिया है। सफदरजंग और आरएमएल अस्पताल प्रशासन ने अभी तक आदेश जारी नहीं किया है। एम्स की तरह केंद्र के बाकी अस्पतालों में भी शीतकालीन अवकाश को लेकर एक जैसी स्थिति रहेगी। मरीजों की लंबी वेटिंग को देखते हुए एम्स ने अपने डॉक्टरों को दो चरणों में 9.9 दिन की छुट्टियां दी हैं। इनमें प्रत्येक विभाग के आधे डॉक्टर 23 से 31 दिसम्बर और बाकी डॉक्टर 2 से 10 जनवरी तक छुट्टियों पर रहने वाले हैं। इस अवधि में नर्सरे को भी छुट्टियां दी गई हैं। बहरहाल, हर साल शीत कालीन अवकाश के चलते अस्पतालों में मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एम्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मरीजों की लंबी वेटिंग को ध्यान में रखते हुए ही स्टाफ को दो चरणों में छुट्टी पर रखा गया है। उधर, सफदरजंग और आरएमएल के डॉक्टरों से मिली जानकारी के मुताबिक वहां भी 23 दिसम्बर से दो चरणों में डॉक्टरों को विंटर वैकेशन पर जाने के निर्देश मिले हैं।

सर्जरी की लंबी डेंट : डॉक्टरों के छुट्टी पर जाने से ऑपरेशन की डेट आगे बढ़ा दी गई हैं। न्यूरोलॉजी मेडिसिन सर्जरी ऑर्थो पीडिएट्रिक्स और ऑन्कोलॉजी डिपार्टमेंट में ऑपरेशन की डेट 10 जनवरी के बाद रखी गई हैं। ऑनलाइन ओपीडी भी इन विभागों की कमी कर दी गई है।

एम्स प्रशासन अलर्ट, विभागध्यक्ष को दिए निर्देश : एम्स निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने शीतकालीन अवकाश को लेकर निर्देश जारी करते हुए सभी विभागों को 50 फीसद डॉक्टरों की उपस्थिति अनिवार्य की है। साथ ही कहा है कि इस अवधि में मरीजों को किसी भी तरह की दिक्कतें नहीं आए इसके लिए विभागाध्यक्षों को जिम्मेदारी तय करनी होगी।

कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है - शुक्रनीति

रोजगार के मोर्चे पर उपलब्धिया

गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव निपट गए हैं। ढोल-नगाड़े, मंदिर औरंगजेब जाने क्या-क्या चुनाव में आए और गए पर ये चुनाव कुछ महत्त्वपूर्ण संकेत छोड़ गए हैं-सबके लिए। उन संकेतों को ग्रहण करना बहुत जरूरी है। राजनीतिक अर्थव्यवस्था से जुड़े महत्त्वपूर्ण मुद्दे इन चुनावों ने रेखांकित किए हैं। राहुल गांधी के धुर विरोधी भी इस बात को मानने को विवश होंगे कि किसानों, नौजवानों की बदहाली को वह एक हद बड़ा मुद्दा बनाने में गुजरात में कामयाब हो गए हैं। बहुत पहले राहुल गांधी ने एक जुमला दिया था-सूट बूट की सरकार, जिसका आशय था कि यह सरकार सिर्फ संपन्न लोगों के हितों की चिंता करती है। राहुल धीमे-धीमे इस कथा को गढ़ने की तरफबढ़ रहे हैं कि यह सरकार बेरोजगारों, किसानों, गरीबों पर ध्यान नहीं देती। यह कथा अगर 2019 के लोक सभा चुनाव तक मजबूती पा गई, तो फिर भाजपा के लिए बहुत समस्या होगी। भाजपा सरकार की उपलब्धियां अपनी जगह हैं, पर उन उपलब्धियों से वे समस्याएं खुद-ब-खुद न निपट जाएंगी, जो भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था में मुंह उठाए हुए खड़ी हैं। गुजरात का चुनाव सिर्फ जातिगत आधार पर लड़ा गया चुनाव नहीं था। शहर के पटेल वोटर भाजपा के साथ गए हैं और गांव के पटेल वोटर कांग्रेस के साथ गए हैं, क्यों? इसकी वजह है शहर के पटेल संपन्न हैं, उन्हें भाजपा के साथ अपने हित दिखाई पड़ते हैं। गांव के पटेल खेती-किसानी वाले लोग हैं, वे भाजपा की प्रचारित सफलताओं के साथ खुद को जोड़कर नहीं देख पा रहे। ऐसा क्यों है? यह समझना होगा। ऐसा गुजरात में भी अभी नहीं हो रहा है। गुजरात बहुत राज्यों के मुकाबले बेहतर कर रहा है, पर गुजरात में सभी के लिए हाल बेहतर हैं, ऐसा नहीं है। गुजरात में राहुल ने अपनी कथा के सूत्र पा लिये हैं। गरीब, किसान, बेरोजगार की तरफदारी करने से वोट मिलते हैं। यानी राहुल 2019 में केंद्र सरकार की रोजगार के मोर्चे पर उपलब्धियों को कटघरे में खड़ा करेंगे। यह देखने में आ रहा कि विकसित होती अर्थव्यवस्था में भी नौकरियों का विकास नहीं हो रहा है। छोटे कारोबारियों के लिए कर्ज योजना मुद्रा कर्ज योजना ने नौ करोड़ परिवारों को सहारा दिया, ऐसी बातें कही जा रही हैं। पर इनसे जमीन पर वाकई में कितनों का भला हुआ, 2019 में इस सवाल के जवाब पर लोक सभा चुनाव के परिणाम भी निर्भर होंगे। यानी गुजरात ने जो मुद्दे छोड़े हैं। वह गुजरात के बाद भी लंबे वक्त प्रासंगिक रहने वाले हैं।

बहस, विमर्श और विधेयक

संसद के शीत सत्र में जारी हंगामे का जितना जल्दी अंत हो उतना अच्छा। विपक्ष मुख्यत: कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात चुनाव अभियान में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर की गई टिप्पणी को मुद्दा बनाये हुए है। उसकी मांग है कि प्रधानमंत्री इसके लिए क्षमा मांगे, क्योंकि उन्होंने 10 वर्ष तक प्रधानमंत्री पद पर रहे व्यक्ति की राष्ट्रनिष्ठा पर प्रश्न उठाया है। कांग्रेस यह भी कह रही है कि अगर मनमोहन सिंह ने देश विरोध काम किया है तो सरकार प्राथमिकी दर्ज कराए। कांग्रेस को मनमोहन सिंह के पक्ष में आवाज उठाने तथा इसके लिए प्रधानमंत्री का विरोध करने का पूरा अधिकार है। शायद भाजपा उसकी जगह होती तो वह भी विरोध करती। किंतु संसद के अंदर विरोध और सड़क के विरोध के बीच गुणात्मक अंतर है। इस बात को सभी राजनीतिक दलों को समझना चाहिए। संसद में विरोध की मर्यादा है। उसके लिए संसद के नियम और परंपराएं हैं। कांग्रेस सबसे ज्यादा समय तक देश पर राज करने वाली पार्टी है। उसका आचरण इसके अनुरूप होना चाहिए। संसद के हंगामे और गतिरोध से देश में राजनीति के प्रति वितृष्णा पैदा हो रही है। देश चाहता है कि संसद की कार्यवाही उसकी निर्धारित भूमिका के अनुरूप चले। कांग्रेस भी जानती है कि प्रधानमंत्री माफी मांगने वाले नहीं हैं। ऐसे में इस बात पर अड़ना कि उसके बगैर हम मानेंगे ही नहीं, वास्तव में संसद के इस सत्र का गला दबाना ही होगा। संसद बहस, विमर्श और विधेयक पारित करने के लिए है। यही उसकी निर्धारित भूमिका है। बहस में आपको जितना जोरदार विरोध करना है करिए, विमर्श में अपनी असहमति दर्ज कराइए। लेकिन अगर कार्यवाही ही नहीं चलेगी तो फिर ये होगा कैसे यह भी विचार करिए। हंगामों और विरोध के कारण संसद का लगातार ठप्प होना हमारे लोकतंत्र को ही पंगु बनाने जैसा है। दोनों सदनों के सभापतियों ने नेताओं के साथ औपचारिक बैठक कर रास्ता निकालने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हुए। सरकार की ओर से भी बयान आया है कि उन्होंने विपक्ष के नेताओं से बातचीत की है। वास्तव में सरकार को भी इसमें सघन पहल करनी चाहिए। वह विपक्ष के नेताओं को इस बात के लिए मनाए कि वे संसद को चलने दें। निस्संदेह, संसद की कार्यवाही चले इसकी जिम्मेवारी विपक्ष की भी है।

सत्संग

आत्मज्ञान

वास्तव में न कभी उगता है, न डूबता है। मगर जिस तरह से हमें उसका बोध होता है, वह कितना शानदार धोखा है! बड़ी से बड़ी चीजों के मामले में हमारे बोध में अनगिनत छलावे होते हैं। आप सिनेमा हॉल में बैठते हैं तो परदे पर दिखने वाला नाटक असली सा दिखता है। अगर प्रोजेक्शन रूम में जाकर देखें तो सिर्फ एक लाइट बल्ब और घूमते हुए दो पहिए होते हैं। बहुत सारा नाटक होगा प्रेम, लड़ाई, युद्ध, शांति, शायद आत्मज्ञान भी। मगर मुख्य रूप से वह सिर्फएक प्रोजेक्शन है। जो व्यक्ति उस नाटक या सिनेमा का आनंद नहीं लेता, मूर्ख है। जो नाटक या सिनेमा में उलझ जाता है, उससे भी बड़ा मूर्ख। जो नाटक का पूरी तरह आनंद लेता है और फिर भी उस प्रक्रिया में उलझता नहीं, वह समझता है कि यह ओपनिंग क्रेडिट के साथ शुरू होता है और एंड टाइटल्स के साथ खत्म हो जाता है। एक तरह से यह कब्र पर खुदे नामों की तरह है, जिन चरित्रों या पात्रों को आपने अभी फिल्म में देखा, वे अब वहां हैं। अगर आप नहीं समझ पाते कि इनके बीच में जो कुछ होता है, वह सिर्फ एक नाटक है, और उसमें उलझ कर रह जाते हैं, तो बहुत सारी चीजें जो असली नहीं हैं, आपको असली लगने लगती हैं। और जो असली है, उससे आप पूरी तरह चूक जाएंगे। गुरू का काम आपको फिल्में दिखाना नहीं, बल्कि प्रोजेक्शन रूम तक ले जाना है। आप कुर्सी पर बैठकर पॉपकार्न खाते हुए फिल्म का मजा ले सकते हैं। आपको एक भूमिका निभानी है और आप निर्देशक का हाथ नहीं पकड़ रहे। निर्देशक अभिनेता का हाथ नहीं पकड़ता तो मशहूर सितारे भी पूरी तरह अस्त-व्यस्त होंगे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने प्रतिभाशाली या समर्थ हैं, आप सृष्टा का हाथ नहीं पकड़ेंगे तो जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त होगा। आप कामयाब हैं, तो एक तरह की और असफल हैं, तो दूसरी तरह की अव्यवस्था होगी। हर कोई असफल हो जाए तो दुनिया रसातल में चली जाएगी। कामयाब हो जाए तो हम और तेजी से धरती को नष्ट कर देंगे। आप जानते हैं कि आपको अपनी भूमिका कैसे निभानी है और प्रोजेक्शन रूम की प्रक्रिया के प्रति भी सजग हैं, तो सिनेमा को अपनी मर्जी से नियंत्रित कर सकते हैं। निर्देशक का हाथ पकड़ लें तो वह बढ़िया अनुभव हो सकता है। सबसे बढ़कर आप आराम करते हुए फिल्म देख सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश में धूमधाम

मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक यह सुनकर दहल गया और पांच सौ बिंदुओं से ज्यादा गिर गया। बाद में भाजपा की जीत पक्की हुई तो सूचकांक बढ़ोतरी पर बंद हुआ। सेंसेक्स एक साल में 27 प्रतिशत से ऊपर चढ़ चुका है, इतना इजाफा भारत के सफलतम किसान की आय में भी एक साल में नहीं हुआ होगा। खेती समस्या में है, यह बात गुजरात के परिणाम बताते हैं। कपास समेत तमाम कृषि उत्पादों की कीमतों को लेकर गुजरात का किसान परेशान है, यह बात गुजरात के रिजल्ट बताते हैं। भाजपा को 99 सीटें मिली ही। 73 शहरी इलाकों की 56 सीटें भाजपा ने लीं पर 109 ग्रामीण इलाकों की सिर्फ43 सीटें उसे मिली हैं।

सतीश पेडणोकर

भाजपा ने गुजरात में 99 सीटें लेकर सरकार बचा ली है, और हिमाचल प्रदेश में धूमधाम से सरकार बनाने के इंतजाम कर लिए हैं। इतना ही इन चुनावों का निहितार्थ नहीं है। इन चुनावों के आंकड़ों में कई ऐसी तस्वीरें छिपी हैं, जिन्हें पढ़ना और उनके मतलब तलाशना महत्वपूर्ण है। इन तस्वीरों का ताल्लुक मई, 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से तो है ही, भाजपा के कब्जे वाले बड़े राज्यों-राजस्थान, मध्य प्रदेश और छोटे राज्य छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनावों से भी है। इन सब चुनावों से ऊपर अगले अठारह महीनों में होने वाले 2019 के लोक सभा चुनाव से भी है। इसलिए गुजरात विधान सभा चुनावों के निहितार्थो को समझना पूरी अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है।गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावों की मतगणना के वक्त साढ़े नौ के आसपास एक वक्त ऐसा आया था, जब तमाम टीवी चैनल बताने लगे थे कि मुकाबला बराबरी का है, बल्कि कुछेक मिनट को दोनों राज्यों में कांग्रेस की सीटें भाजपा से आगे चल रही हैं।

मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक यह सुनकर दहल गया और पांच सौ बिंदुओं से ज्यादा गिर गया। बाद में भाजपा की जीत पक्की हुई तो सूचकांक बढ़ोतरी पर बंद हुआ। सेंसेक्स एक साल में 27 प्रतिशत से ऊपर चढ़ चुका है, इतना इजाफा भारत के सफलतम किसान की आय में भी एक साल में नहीं हुआ होगा। खेती समस्या में है, यह बात गुजरात के परिणाम बताते हैं। कपास समेत तमाम कृषि उत्पादों की कीमतों को लेकर गुजरात का किसान परेशान है, यह बात गुजरात के रिजल्ट बताते हैं। भाजपा को 99 सीटें मिली ही। 73 शहरी इलाकों की 56 सीटें भाजपा ने लीं पर 109 ग्रामीण इलाकों की सिर्फ43 सीटें उसे मिली हैं। विश्लेषण से साफ होता है कि गुजरात के शहरी इलाकों में भाजपा का सफलता-स्ट्राइक रेट है 76.71 प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों में है 39.44 प्रतिशत। अकादमिक शब्दावली में इसे यूं समझें कि शहरों में भाजपा विशेष योग्यता से पास हो गई है पर ग्रामीण इलाकों में मुश्किल से बहुत मुश्किल से पास होती दिख रही है। खेती-किसानी से जुड़े मसलों पर सिर्फ बयान काफी नहीं है, ठोस काम जरूरी है, और जल्द जरूरी है। पीएम मोदी लगातार बयान दे रहे हैं कि 2022 तक किसानों की आमदनी दो गुनी कर दी जाएगी। पर जमीन पर कुछ ऐसे एक्शन दिखाई नहीं दे रहे हैं, जिनसे पता चले कि किसान की आमदनी पांच सालों में दोगुनी हो जाएगी।

सेंसेक्स जहां लगातार चढ़ रहा हो और खेती लगातार डूब रही है, वहां अर्थव्यवस्था में एक दरार साफतौर पर दिखाई पड़ने लग जाती है। भाजपा को तमाम बधाइयां स्वीकार करके आत्ममंथन में लगना चाहिए कि किसानों की स्थिति बेहतर कैसे की जाए? मध्य प्रदेश कुछ समय पहले किसान आंदोलन और उसमें हिंसा देख चुका है। राजस्थान के हाल भी बहुत अलग नहीं हैं। शाइनिंग इंडिया के चक्कर में 2004 में भाजपा ऐसे ही डूबी थी, शहरी इलाकों में, चढ़ने सेंसेक्स में इंडिया बहुत शाइन कर रहा था, पर जमीन पर परेशानियां कम नहीं हुई थीं, तो मतदाता खासकर ग्रामीण मतदाता ने भाजपा सरकार की बत्ती बुझा दी थी। गहराई से देखें तो जो बवाल-सवाल हाल के वक्त से राजनीति के दरपेश हैं, उनका ताल्लुक खेती से है। परंपरागत खेती पर निर्भर जातियां आरक्षण की मांग कर रही हैं। हरियाणा में जाटों को लें या गुजरात में पटेलों को। ये खेतिहर जातियां हैं। खेती में प्रतिफल बचा नहीं है। नौकरियों में कंपटीशन विकट हो गया है। प्राइवेट कालेजों में इंजीनियरिंग पढ़ने में लाखों खर्च हो रहे हैं, फिर भी नौकरी की गारंटी नहीं है। हार्दिक पटेल के साथ गुजरात में ऐसे कई नौजवान जुड़े हैं, जिन्होंने लाखों लगा दिए प्राइवेट डिग्री हासिल करने में, पर नौकरी नहीं है क्योंकि कंपनियां उन लोगों को इस काबिल नहीं मानतीं कि उन्हें नौकरी दी जा सके। निजी नौकरी है नहीं, सरकारी नौकरी बहुत कम हैं। तो फिर आरक्षण दिखाई पड़ता है। आरक्षण का आधार ताकतवर जातियां अपनी संख्या को बनाना चाहती हैं कि हमारी तादाद इतनी तो आरक्षण हमें ही मिलना चाहिए। खेती-किसानी में ठीकठाक प्रतिफल आ रहा होता तो तमाम तरह के आरक्षणों की मांग इतनी मुखर नहीं होती। मोटे तौर पर कई भारतों की तस्वीर उभरती है गुजरात के चुनावों में। उन भारतों में विकट दरार दिखाई पड़ती है।

सूरत जैसे औद्योगिक शहर ने जीएसटी की तमाम परेशानियों के बावजूद भाजपा में अपना भविष्य देखा। ग्रामीण इलाकों को कांग्रेस में अपना भविष्य दिखाई पड़ा। जातिगत समीकरण अपनी जगह हैं, पर अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण हिस्से खेती पर ठोस चिंतन कर्म का वक्त अब आ गया है। खेती से जुड़ी समस्याएं सिर्फ गुजरात में नहीं हैं। भाजपा की सहयोगी पार्टी शिवसेना लगातार भाजपा सरकार को महाराष्ट्र में हो रही किसान-आत्महत्याओं पर घेरती रहती है। खेती-किसानी के मसलों पर संसद सत्र बुलाया जाए और हर पार्टी इस संबंध में सुझाव रखे। आलू के भाव बढ़ते हैं एक साल, दूसरे साल आलू बहुतायत में पैदा हो जाते हैं। किसान परेशान हो जाता है। गेहूं के भाव बढ़ते हैं, तो किसान का फायदा हो सकता है, पर खाद्य साज-सामान कीमतों के भाव हद से ज्यादा बढ़ जाएं, यह सरकार अफोर्ड नहीं कर सकती। गेहूं आयात करने के फैसले हो जाते हैं, गेहूं के भाव बढ़ना रुक जाते हैं। किसान का नुकसान होता है। लगातार इतना होता है कि वह फिर तमाम किस्म के कजरे की माफी की मांग करता है। उसकी अलग राजनीति है। कोई सरकार कर्ज माफ करती है, तो अंतत: करदाता की जेब से ही जाता है। यानी किसानों को बैसाखियों के बजाय कुछ ऐसा इंतजाम सुनिश्चित हो कि उसे अपने उत्पाद का लाभदायक दाम मिल पाए। चुनाव एक तरह से चेतावनी देते हैं कि शहरों में राजनीतिक सफलताएं हासिल कर लेना अलग बात है पर ग्रामीण क्षेत्रों की खेती-किसानी की समस्याएं जस-की-तस बनी हुई हैं। किसानों की आय भी सेंसेक्स की तरह पचीस प्रतिशत बढ़े तो यहां से कर्ज माफी की मांग शायद ना आए। गुजरात चुनाव का संकेत बहुत साफ है कि खेती को सेंसेक्स की उठान की तरह फायदेमंद बनाना ही किसी भी राजनीतिक पार्टी के हित में है। वरना शहरी इलाकों तक सीमित शाइनिंग इंडिया राजनीतिक अंधेरा मचा सकता है।

चलते चलते

शॉर्ट फिल्म अवार्ड'

एक दोस्त ने बनाई है। उपन्यासकार, पत्रकार और फिल्म-लेखक, पंकज दुबे। सिनेमा की अच्छी समझ रखते हैं। इस बार निर्देशन के क्षेत्र में प्रथम प्रयास किया और उनकी फिल्म ''जीओ फिल्मफेयर शॉर्ट फिल्म अवार्ड' के लिए नामांकित भी हो गई। कथा-पटकथा इनकी पत्नी श्रद्धा सिंह ने लिखी है। कुल तेरह मिनट की फिल्म, पूरे तीन घंटे का आनंद देती है।

रे चम्पू! का देख रह्यौ ऐ मोबाइल पे? सुनैं नायं!-कान में ईयरफोन लगे थे। एक शॉर्ट-फिल्म देख रहा था, ''मराठा मंदिर सिनेमा'। एक दोस्त ने बनाई है। उपन्यासकार, पत्रकार और फिल्म-लेखक, पंकज दुबे। सिनेमा की अच्छी समझ रखते हैं। इस बार निर्देशन के क्षेत्र में प्रथम प्रयास किया और उनकी फिल्म ''जीओ फिल्मफेयर शॉर्ट फिल्म अवार्ड' के लिए नामांकित भी हो गई। कथा-पटकथा इनकी पत्नी श्रद्धा सिंह ने लिखी है। कुल तेरह मिनट की फिल्म, पूरे तीन घंटे का आनंद देती है। लंबी फिल्मों में भी कहानी तो छोटी सी ही होती है। -याकी कहानी बता।-पूरी नहीं बताऊंगा, पर इतना है कि यह फिल्म गटर की सटर-पटर जिंदगी में उम्मीदों के उद्यान खिलाती है। कमाठीपुरा मुंबई का दूसरा सबसे बड़ा रेडलाइट इलाका है। वहीं की देहकर्मी महिलाओं के कारण मराठा मंदिर टॉकीज में बीस साल तक लगातार चलती रही थी डीडीएलजे, यानी, दिल वाले दुल्हनियां ले जाएंगे। उसमें अमरीश पुरी का एक संवाद था, ''जा सिमरन जा, अपनी जिंदगी जी'। इस एक पंक्ति ने देह-कर्मियों की दुखती नस को पकड़ लिया। उन्होंने यह फिल्म मराठा मंदिर से उतरने नहीं दी। धरना दे दिया। बस, इससे ज्यादा मत सुनिए, खुद देखना। एक बात और है कि पहले अपनी छवि का ध्यान रखते हुए श्रेष्ठ सिनेकर्मी प्राय: उतरे हुए किरदारों को नहीं निभाते थे। अब सौंदर्याभिरु चि बदल गई है। दर्शक अभिनय की उत्कृष्टता देखते हैं, चरित्र की हीनता-दीनता नहीं। प्रसिद्ध गीतकार-गायक स्वानंद किरकिरे किसी रेडलाइट एरिया के दलाल का चरित्र निभाएंगे, मैं तो कभी सोच भी नहीं सकता था। चचा, उन्होंने चरित्र को जीवंत कर दिया है। अभिनेत्री सारिका को हमने आदर्शवादी फिल्मों की बड़ी नायिका के तौर पर सौंधे-सौंदर्य की गरिमामयी उपस्थिति में स्वीकार किया था, लेकिन उन्होंने भी एक देहकर्मी महिला के सकर्मक लमहों में सपाट चेहरे और ममतामयी सामाजिक सरोकार के साथ उत्कृष्ट अभिनय किया है। सारिका इस फिल्म की प्रोड्यूसर भी हैं। सिमरन इस गटर से निकलने वाली एक सुंदर सुगंधित कलिका है।

कैसै देखें? -गूगल पर सर्च करना ''मराठा मंदिर सिनेमा, शॉर्ट फिल्म', यू-ट्यूब लिंक मिल जाएगा।

फोटोग्राफी...

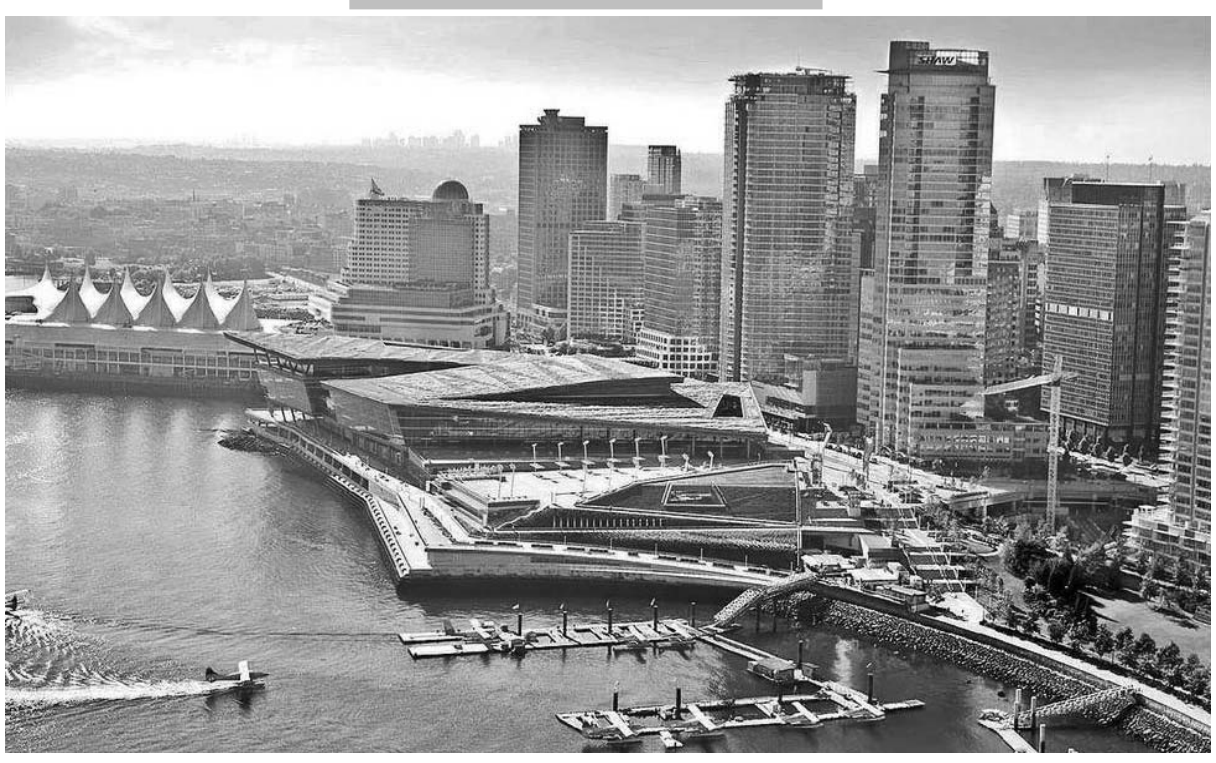

कनाडा के वैंकुवर स्थित कन्वेंशन सेंटर 31 वर्ष पहले बना था, वर्ष 2009 में उसे विस्तार दिया गया। हाल ही में उसका जमीन पानी के ऊपर 10 लाख वर्गफीट जगह में रेनोवेशन किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आर्किटेक्ट ने उसका पूरा रूफग्रीन बना दिया है, जो नया रिकॉर्ड है। यही नहीं, अब यह दुनिया का पहला डबल 'लीड प्लेटिनम' सर्टिफाइड कन्वेंशन सेंटर बन गया है। वर्ष 2010 में इसे एक सर्टिफिकेट मिला था, दूसरा अभी फिर मिल गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां बिजली के उपयोग से लेकर निर्माण सजावट की हर चीज़ तक पर्यावरण के अनुकूल है। इतना बड़ा ग्रीन रूफतैयार करने का उद्देश्य डिज़ाइन खूबसूरती के साथ-साथ उस क्षेत्र की ईकोलॉजी का संतुलन पुन: स्थापित करना है। इसके लिए वहां चार लाख देसी पौधे लगाए गए हैं।archwo.com

सतर्क रहे

कम्युनिस्ट दल के नेता के. पी. ओली नेपाल के नये प्रधानमंत्री होंगे। वामपंथी गठबंधन की ऐतिहासिक जीत ने पूर्व प्रधानमंत्री ओली के नेतृत्व में इस महीने के अंत तक वामपंथी सरकार बनने की राह खोल दी है। प्रचंड की दखलंदाजी भी ज्यादा नहीं होगी। दोनों के दलों के आकड़ों में बहुत का अंतर है। प्रचंड न ही तख्ता पलट की कोशिश कर पाएंगे जैसा कि पिछली बार उनने किया था। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि अक्टूबर में वामपंथियों का गठबंधन चीन के इशारे पर हुआ है। इस बात की पुष्टि संयुक्त राष्ट्र द्वारा भी की गई। इसलिए ओली प्रधानमंत्री बनने के उपरांत चीन को कर्ज अदायगी करने की कोशिश करेंगे। जो संधि चीनी कंपनियों से छीन ली गई थी, ओली पुन: उसको बहाल करेंगे। साथ ही, चीन नेपाल को भारत से दूर खींचने की पहल करेगा। देखना है कि क्या ओली भारत विरोधी तेवर के साथ नेपाल की राजनीतिक व्यवस्था को चलाने में सफल हो पाते हैं? भारत विरोध को हवा देकर चीन नेपाल की हर जरूरतों को पूरा कर पाता है?नेपाल की राजनीतिक उठापटक की वजह से संवैधानिक समस्या खड़ी हो गई थी। 2006 के बाद से निरंतर नेपाल गर्त की ओर अग्रसर था। पहले से वामपंथियों के खूनी इरादों से लाखों की जान जा चुकी थी। राजशाही से लोकतांत्रिक परिवर्तन अत्यंत ही दुखदायीपूर्ण था। नेपाल का बफर स्टेट होना उसके सामरिक महत्त्व को बहुमूल्य बना देता है। नेपाल की राजनीतिक व्यवस्था को समझना इसलिए आसान नहीं है कि बाहरी शक्तियां व्यवस्था पर हावी हैं। 2015 के संविधान के बाद जो बवाल हुआ, वह निवर्तमान प्रधानमंत्री ओली के कारण हुआ था। नेपाली संविधान की सारी विसंगतियों के लिए भारत को दोषी माना गया। 2015 के उपरांत नेपाल की राजनीति में कई हिचकोले आए। प्रचंड ने प्रधानमंत्री की कुर्सी हथियाने के लिए नेपाल कांग्रेस पार्टी से हाथ मिला लिया। संयुक्त सरकार भी बनी 6 महीने के लिए। लेकिन इसी बीच में दहल की सीपीएन (माओवादी सेंटर) और ओली की सीपीएन-यूएमएल के बीच गठबंधन हो गया। इस बात की ज्यादा उम्मीद है कि सरकार साम्यवादी गठबंधन की बनेगी, जिसके प्रधानमंत्री प्रत्याशी पूर्व प्रधानमंत्री ओली हैं, जिनकी राजनीति का मुख्य आधार भारत विरोध की राजनीति है। जिस तरीके से साम्यवादी दलों के बीच गुपचुप समझौता हुआ है, वह महज प्रचंड और ओली की स्वाभाविक मित्रता नहीं है, बल्कि मित्रता बलपूर्वक बनाई गई है। यह सब कुछ चीन के इशारों पर किया गया है। ओली ने नेपाल के पहाड़ी इलाकों में उग्र राष्ट्रवाद की नींव रखने की कोशिश की है जो भारत विरोध पर टिकी है। ओली के प्रधानमंत्री बनने से भारत और नेपाल के संबंध में तीखापन आएगा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन नेपाल का प्रधानमंत्री बनने वाला हर व्यक्ति भली भांति समझ चुका है कि भारत के समर्थन के बिना गद्दी पर बैठना मुमकिन नहीं है। प्रचंड को भी यह बात 2008 में समझ नहीं आई थी लेकिन 2015 में बखूबी समझ गए थे। दूसरी समस्या यह है कि साम्यवादियों के बीच सत्ता की लड़ाई से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रचंड पुन: पाला बदल सकते हैं, अगर नेपाली कांग्रेस और मधेसी पार्टी चुनाव के दूसरे चरण में बहुत बेहतर प्रदर्शन करते हैं। भारत के लिए नेपाल का चुनाव कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। चीन की हस्तक्षेपवादी और उग्र नीति भारत के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है, इसके लिए जरूरी है कि नेपाल में मजबूत सरकार हो चाहे कोई भी दल या व्यक्ति प्रधानमंत्री हो।

बिंद्रा ने खिलाड़ियों की सहयोगी प्रणाली में सुधार की अपील की

नयी दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा कि अगर देश लगातार शीर्ष स्तर के खिलाड़ी तैयार करना चाहता है तो खिलाड़ियों की पेशेवर सहयोगी प्रणाली में सुधार करना जरूरी है। बिंद्रा ने कहा कि राष्ट्रीय खेल महासंघों में पेशेवर ढांचा होना जरूरी है और उनमें हाई परफोरमेन्स मैनेजर की नियुक्ति की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, भारतीय खेलों ने लंबी राह तय की है लेकिन अभी काफी लंबा रास्ता तय करना है। जब तक हम अपने खिलाड़ियों के पेशेवर ढांचे में सुधार नहीं करते तब तक हमारे पास निरंतरता नहीं रहेगी जो कि शीर्ष खिलाड़ियों की जगह भरने के लिये जरूरी है। ''बीजिंग ओलंपिक में दस मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ईएलएमएस (एक्सीलेन्स इन लर्निंग एंड मास्टरिंग आफ स्पोर्ट्स एंड फिजिकल लिटरेसी) फाउंडेशन के लांच के अवसर पर बोल रहे थे।'' बिंद्रा ने कहा, ''खेलों में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए हमें हर खेल में विश्व स्तरीय उच्च ज्ञान वाले निदेशकों और प्रशासकों की जरूरत है। हमारा यह कार्यक्रम क्लासरूम ट्रेनिंग, डिजिटल पाठ्यक्रम और इंटर्नशिप का मिश्रण होगा। हम खेल को बेहतर तरीके से समझने के लिए विश्व स्तरीय संस्थानों में खेल प्रशासकों को प्रशिक्षित करेंगे।'

चेन्नई सिटी ने चर्चिल ब्रदर्स को हराकर पहली जीत दर्ज की

वास्को। चेन्नई सिटी ने दोनों हाफ में एक-एक गोल दागते हुए यहां आईलीग फुटबाल टूर्नामेंट में चर्चिल ब्रदर्स को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। चेन्नई सिटी ने मैच में दबदबा बनाए रखा और उसकी तरफ से जीन माइकल जोकिम (45 प्लस एक) और मुरिलो अल्मेडिया (51वें मिनट) ने गोल दागे। पदार्पण कर रही चेन्नई सिटी के इस जीत से पांच मैचों में चार अंक हो गए हैं जबकि चर्चिल की टीम एक भी जीत दर्ज करने में नाकाम रहने के कारण पांच मैचों के बाद अंतिम पायदान पर है।

लीसेस्टर को हराकर मैनचेस्टर सिटी सेमीफाइनल में

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने लीसेस्टर को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर इंग्लिश लीग कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी में सिटी ने जीत दर्ज की। जैमी वार्डी और रियाद महरेज लीसेस्टर के लिये गोल नहीं कर सके। आर्सनल भी वेस्ट हैम को 1-0 से हराकर अंतिम चार में पहुंच गया। पिछले सप्ताह प्रीमियर लीग मुकाबले में दोनों ने गोलरहित ड्रा खेला था।

विराट बने देश के सबसे महंगे सेलिब्रिटी ब्रांड

मुंबई। क्रिकेट के पिच पर रोज नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे भारतीय कप्तान और रन मशीन विराट कोहली बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान को पछाड़कर देश के सबसे महंगे सेलिब्रिटी ब्रांड बन गए हैं। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन एवं कॉरपोरेट फाइनेंस परामर्शदाता डफ एंड फेल्प्स ने भारत में सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यू के अपने सालाना अध्ययन का तीसरा संस्करण प्रकाशित किया है। राइज ऑफ द मिलेनियल्स इंडियाज मोस्ट वैल्यूएबल सेलिब्रिटी ब्रांड्स शीर्षक के तहत जारी रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट कप्तान विराट कोहली ने भारत के टॉप रैंकिंग सेलिब्रिटी ब्रांड शाहरुख खान की जगह ले ली है। विराट कोहली के साथ दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने इस सूची में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। डेफ एंड फेल्प्स के प्रबंध निदेशक और भारत-जापान और दक्षिणपूर्व एशिया के रीजनल लीडर वरुण गुप्ता ने कहा, जब से हमने अपनी रैंकिंग प्रकाशित करनी शुरू की है, तब से पहली बार शाहरुख खान टॉप रैंकिंग से फिसले हैं और उनकी जगह विराट कोहली ने ली है। अब कोहली उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ब्रांड्स की पहली पसंद बन गये हैं। क्रिकेट के मैदान पर अपनी असाधारण और शानदार परफॉर्मेंस और मैदान के बाहर अपने चमत्कारी और करिश्माई व्यक्तित्व ने उन्हें आज भारत का सबसे मूल्यवान सेलिब्रिटी ब्रांड बना दिया है। गुप्ता ने कहा, कोहली के अलावा आलिया भट्ट और बैडमिंटन चैंपियन पी. वी. सिंधू या तो रैंकिंग में आगे बढ़े हैं अथवा उन्होंने हमारी टॉप 15 सेलिब्रिटी की लिस्ट में प्रवेश कर लिया है। पिछले साल अपने-अपने क्षेत्र में शानदार परफॉर्मेंस देने और भारी-भरकम राशि के बदले किसी ब्रांड का प्रचार या अनुमोदन करने की बदौलत उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है।

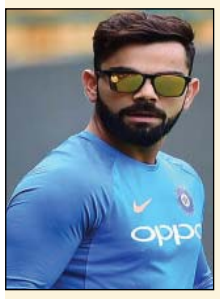

भारत-श्रीलंका : धौनी ने आखिरी गेंद पर लगाया सिक्स, श्रीलंका को मिला 181 रन का लक्ष्य

कटक (एजेंसी)।

भारत और श्रीलंका के बीच कटक में पहला टी 20 मैच खेला जा रहा है। इस मुकाबले में श्रीलंका के कप्तान थिसारा परेरा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 03 विकेट खोकर 180 रन बना लिए हैं। धौनी 39 और पांडे 32 रन बनाकर नाबाद रहे। रोहित शर्मा 17 रन बनाकर मैथ्यूज की गेंद पर चमीरा को कैच दे बैठे। 24 रन बनाकर खेल रहे श्रेयस अय्यर ने नुवान प्रदीप की गेंद पर विकेटकीपर डिकवेला के हाथ में कैच थमा दी और भारत को लगा दूसरा झटका। इसके बाद थिसारा परेरा ने 61 रन पर खेल रहे लोकेश राहुल को बोल्ड कर श्रीलंका को तीसरी सफलता दिला दी।

इस टी-20 सीरीज़ में विराट कोहली को आराम दिया गया है तो इसलिए रोहित शर्मा ही वनडे के बाद टी-20 सीरीज़ में भी भारत की कमान संभालेंगे। तीन टी-20 सीरीज़ का ये पहला मुकाबला है और दोनों ही टीमों की नज़र जीत हासिल कर इस सीरीज़ में बढ़त बनाने पर होगी।

रोहित ने टी20 में पूरे किये 1500 रन, जयवर्धने को पीछे छोड़ा

भारत और श्रीलंका के बीच तीन टी-20 मैचों की सीरीज का पहला मैच कटक में खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा ने एक खास रिकॉर्ड बनाया है। टीम इंडिया टॉस हारकर पहले बैटिंग कर उतरी। इस दौरान रोहित ने 17 रन बनाकर आउट हो गये। रोहित ने 15 रन बनाते ही एक बेहतरीन रिकॉर्ड बनाया। दरअसल रोहित टी-20 इंटरनेशनल मैच में 1500 रन पूरे कर लिये हैं। उन्होंने महेला जयवर्धने को पीछे छोड़ दिया है। जयवर्धने ने 55 मैचों में 1493 रन बनाये हैं। वहीं रोहित ने 1502 रन बनाकर उनसे आगे निकल गये हैं। टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धौनी भी इस फोर्मेट में 1200 से ज्यादा रन बना लिये हैं।

संन्यास तोड़कर टेनिस कोर्ट पर वापसी करेंगी बार्तोली

पेरिस (एजेंसी)।

पूर्व विंबलडन चैंपियन मारियन बार्तोली ने चार वर्ष पहले लिए गए अपने संन्यास के बाद वापसी की घोषणा की है और वह वर्ष 2018 में वापस डब्ल्यूटीए पेशेवर टेनिस में कदम रखेंगी।

फ्रांस की टेनिस खिलाड़ी ने वर्ष 2013 में टेनिस से संन्यास की अचानक घोषणा करते हुए सभी को चौंका दिया था। उन्होंने विंबलडन खिताब जीतने के ठीक बाद यह फैसला लिया था और कहा था कि उनका शरीर अब खेल के लिहाज से मजबूत नहीं रह गया है।

गत वर्ष जुलाई में बार्तोली ने कहा था कि वह एक वायरस से ग्रसित हैं और उन्हें अपने जीवन को लेकर खतरा है। हालांकि 33 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी ने अब वापसी की घोषणा कर दी है और उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट कर इसमें यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा मैं आप लोगों को कुछ बताना चाहती हूं। मैं पेशेवर टेनिस में इस वर्ष वापसी करने जा रही हूं। मेरे लिए यह बहुत बड़ी चुनौती होगी। मुझे अभी काफी अभ्यास करना होगा, लेकिन उम्मीद है कि मार्च तक मैं मियामी ओपन के लिए तैयार हो जाऊंगी।

बार्तोली ने कहा मैं कोर्ट पर आप सभी लोगों के समर्थन के लिए फिर से उत्साहित हूं। मैं खासकर रोलां गैरों में पेरिस में आप लोगों के सामने उतरने को लेकर उत्साहित हूं जो मेरा घरेलू मैदान है। लेकिन साथ ही फेड कप और विंबलडन में भी खेलने का मैं इंतजार कर रही हूं।

पूर्व विंबलडन खिलाड़ी वर्ष 2012 में अपने कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ सातवीं रैंकिंग पर पहुंची थीं। उन्होंने कॅरियर में आठ डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीते और विंबलडन में वर्ष 2007 में उपविजेता रहीं तथा 2011 में फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में भी जगह बनाई।

तेंदुलकर ने मराठवाड़ा में अपने गोद लिये गांव का दौरा किया

उस्मानाबाद। दिग्गज क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य सचिन तेंदुलकर ने महाराष्ट्र के मराठवाड़ा स्थित दोंजा गांव का दौरा किया। तेंदुलकर ने संसद आदर्श ग्राम योजना के तहत इस गांव को गोद ले रखा है। तेंदुलकर के प्रवक्ता ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने गांव में आधारभूत ढांचे के विकास के लिये अपने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम कोष से चार करोड़ रूपये देने का वादा किया। उन्होंने कहा, ''मैं आपके उत्साह और भावनाओं से उत्साहित हूं और उम्मीद है कि हम सभी गांव के विकास के लिये मिलकर काम कर सकते हैं। विकास कार्यों को लागू करने की शुरूआती चुनौती से हम पार पा चुके हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि इसे अंजाम तक पहुंचाने के लिये तेजी से काम होगा। ''दोंजा दूसरा गांव है जिसे तेंदुलकर ने इस कार्यक्रम के तहत गोद लिया है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के पुत्तुमराजू कंदरिगा गांव को भी गोद ले रखा है।

अगले साल एशियाई-राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतना लक्ष्य : सायना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व ओलम्पिक कांस्य पदक विजेता सायना नेहवाल ने कहा है कि इस समय वह मैचों से ज्यादा अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रही हैं ताकि अगले साल होने वाले एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत सकें।

सायना को पिछले साल रियो ओलम्पिक की निराशा के बाद घुटने की सर्जरी से भी गुजरना पड़ा था, लेकिन प्रतिभाशाली इस खिलाड़ी ने कमाल की वापसी की और गत माह नवंबर में नागपुर में ओलंपिक रजत पदक विजेता पीवी सिंधु को पराजित कर राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

सायना ने यहां प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के 23 दिसंबर से शुरु होने वाले तीसरे संस्करण के उद्घाटन कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा कि मेरा अगला लक्ष्य एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतना है, इसके लिए मैं शत-प्रतिशत फिट रहना चाहती हूं। मेरे लिए यह लीग एक सामान्य टूर्नामेंट है और मैं इसमें अपना स्वभाविक खेल खेलूंगी।

2012 के लंदन ओलंपिक पदक विजेता सायना ने नौ साल बाद जाकर गत माह नवंबर में

राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीता था। उन्होंने इस वर्ष मलेशिया मास्टर्स का भी खिताब अपने नाम किया था। सायना 2010 में दिल्ली में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में उपविजेता रही थीं।

पूर्व नंबर एक सायना ने कहा कि मैं मैच से ज्यादा अपनी फिटनेस को प्राथमिकता दे रही हूं। कई टूर्नामेंट में ऐसा हुआ है कि मेरे फिटनेस का असर मेरे खेल पर पड़ा है। अगले वर्ष बहुत सारे मैच होने हैं और इसके लिए खुद को पूरे सत्र में फिट रखना काफी चुनौतीपूर्ण काम है। अगर आप शतप्रतिशत फिट रहते हैं तो किसी भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

सायना ने पीबीएल लीग के तीसरे संस्करण को लेकर कहा कि टूर्नामेंट में इस बार आठ टीमें हिस्सा ले रही है इसलिए आपको मानसिक और शारीरिक रूप से भी तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि लीग में ओलंपिक चैंपियन स्पेन की कैरोलिना मारिन और इस साल चार सुपर सीरीज खिताब जीत चुके किदांबी श्रीकांत सहित कई विश्व स्तरीय खिलाड़ी खेल रहे हैं और इनसे कड़े मुकाबले होने की उम्मीद है।

सायना अवध वॉरियर्स टीम का हिस्सा है जिसका पहला मुकाबला 23 दिसंबर को विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पीवी सिंधु के चेन्नई स्मैशर्स से होगा। सायना ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भसधू को हराकर ही खिताब जीता था और ऐसे में उनके पास एक मनोवैज्ञानिक बढ़त होगी।

पूर्व नंबर एक सायना ने कहा कि टीमों और खिलाड़ियों के बढ़ने से लीग का तीसरा संस्करण काफी रोमांचक हो गया है। इसमें सारे अच्छे और मजबूत खिलाड़ी खेल रहे हैं, इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं आंका जा सकता है। चेन्नई में भसधू के अलावा और कई भी कई अच्छे खिलाड़ी हैं लेकिन मुझे लगता है कि हमें अपने पिछले मुकाबलों को भूलकर नए मुकाबलों के लिए तैयार रहना होगा।

न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

वांगारेइ (न्यूजीलैंड)। डग ब्रेसवेल ने क्रिस गेल को पहली गेंद पर आउट किया जिसके बाद न्यूजीलैंड ने तीन वनडे मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से शिकस्त दी। मैन आफ द मैच ब्रेसवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 16 महीने बाद वापसी करते हुए गेल (22) और शाइ होप (0) को अपने पहले ही ओवर में आउट किया। उन्होंने 55 रन देकर चार विकेट लिये। वेस्टइंडीज पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर 50 ओवर में नौ विकेट पर 248 रन ही बना सकी। जार्ज वर्कर (57) और कोलिन मुनरो (49) ने पहले विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी की। रोस टेलर 49 रन बनाकर नाबाद रहे और न्यूजीलैंड ने जीत का लक्ष्य चार ओवर बाकी रहते हासिल कर लिया। ब्रेसवेल ने गेल को पहली ही गेंद पर आउट किया। दो गेंद बाद शाइ होप ने टाम लाथम को कैच थमा दिया। वेस्टइंडीज के लिये सर्वाधिक 76 रन एविन लुईस ने बनाये ।दूसरा मैच क्राइस्टचर्च में शनिवार से खेला जायेगा।

बीडब्ल्यूएफ पर फूटा साइना का गुस्सा, व्यस्त कैलेंडर की वजह से फटकारा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने आज 'व्यस्त' अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के लिए बीडब्ल्यूएफ को लताड़ लगाई क्योंकि खिलाड़ियों के पास चोटों से उबरने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने 2018 के नये कार्यक्रम में शीर्ष खिलाड़ियों के लिए कम से कम 12 टूर्नामेंट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। साइना ने प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के उद्घाटन के इतर कहा, ''बीडब्ल्यूएफ का अगले साल का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, यह शीर्ष खिलाड़ियों के लिए सही नहीं है। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मुझे और समय की जरूरत है।

मैं लगातार प्रतियोगिताओं में नहीं खेल सकती। मैं सिर्फ हिस्सा ले सकती हूं लेकिन जीत नहीं सकती।'' उन्होंने कहा, ''पीबीएल के बाद तीन टूर्नामेंट हैं। फिर विश्व चैंपियनशिप से पहले तीन सुपर सीरीज हैं, इसलिए मुझे समझ में नहीं आता कि बीडब्ल्यूएफ ने ऐसा कार्यक्रम तैयार करने का फैसला क्यों किया। यह काफी थकान भरा है, काफी चुनौतीपूर्ण।'' पीबीएल के तीसरे सत्र में अवध वारियर्स की ओर से खेलने वाली इस दिग्गज भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''मेरे पास कोई जवाब नहीं है। यह फिटनेस पर निर्भर करेगा और मेरी प्राथमिकता फिटनेस है।

मैं अब टूर्नामेंटों पर यकीन नहीं करती, इसलिए कोई टूर्नामेंट या खिताब नहीं, मेरी प्राथमिकता सिर्फ फिटनेस है।'' बीडब्ल्यूएफ ने दुनिया के शीर्ष 15 एकल खिलाड़ियों और शीर्ष 10 जोड़ियों के लिए कम से कम 12 टूर्नामेंट में खेलना अनिवार्य कर दिया है और ऐसा नहीं करने पर उन्हें जुर्माने का सामना करना होगा। साइना ने कहा, ''अगर बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन को टेनिस की तरह बनाने का प्रयास कर रहा है तो फिर ग्रैंडस्लैम की तरह सिर्फ चार-पांच टूर्नामेंट होने चाहिए जिसमें अधिक पैसा और कवरेज हो। अगर मैं बीडब्ल्यूएफ अध्यक्ष होती तो मैं यह करती। मैं अधिक इनामी राशि से खुश हूं लेकिन इतने सारे टूर्नामेंट, मुझे नहीं पता।'' यह पूछने पर कि क्या खिलाड़ियों से अगले साल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खेलने की उम्मीद करना उचित है।

साइना ने कहा, ''अगले साल के व्यस्त कार्यक्रम की तुलना में राष्ट्रीय चैंपियनशिप कुछ भी नहीं है। यह तीन दिन की बात है और इससे कोई दिक्कत नहीं है। इससे बहुत फर्क नहीं पड़ता।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अगले साल राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप होने के कारण आप प्रत्येक दो हफ्ते में खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती नहीं दे सकते। खिलाड़ियों को कहीं अधिक समय दिया जाना चाहिए जिससे कि अगर किसी खिलाड़ी को कोई चोट लगी है तो वह उससे उबर सके लेकिन समय है ही नहीं।''

ओलंपिक चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप की दो बार की स्वर्ण पदक विजेता स्पेन की कैरोलिन मारिन ने भी साइना से सहमति जताई। उन्होंने कहा ,''अगले साल का कार्यक्रम अजीब है। पीबीएल के बाद तीन टूर्नामेंट हैं और सत्र के दौरान इतने सारे टूर्नामेंट हैं, सभी खिलाड़ियों के लिए मुश्किल होगा।'' मारिन ने अगले साल आल इंग्लैंड चैंपियनशिप के साथ लागू होने वाले प्रस्तावित सर्विस नियम को 'बेवकूफाना' करार दिया। उन्होंने कहा, ''समस्या युगल खिलाड़ियों के लिए होगी, एकल खिलाड़ियों के लिए इतनी अधिक समस्या नहीं होगी। शायद ऐसा करना कुछ बेवकूफाना है लेकिन देखते हैं यह कैसे काम करता है। यह उन खिलाड़ियों को प्रभावित करेगा जो काफी लंबे हैं।'' दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मारिन रैंकिंग में चौथे स्थान पर खिसक गई है और स्पेन की इस खिलाड़ी ने कहा कि वह अगले साल दोबारा नंबर एक रैंकिंग हासिल करना चाहेंगी। पीबीएल के तीसरे टूर्नामेंट में आठ टीमें में 80 खिलाड़ी होंगे। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियनशिप के आठ पदक विजेता और नौ ओलंपिक पदक विजेता हिस्सा लेंगे। यह टूर्नामेंट दिल्ली, लखनऊ, गुवाहाटी, हैदराबाद और चेन्नई में 23 तक चलेगा।

तीन माह बाद भी फर्जी आईटीआई पर नहीं हुई पुलिस कार्रवाई

सूरत : शैक्षणिक सत्र 2017 जून-जुलाई में आरटीई के अंतर्गत हुए फर्जी प्रवेश के मामले में जिला शिक्षा अधिकारी यू.एन.राठौड़ ने गत दिनों पुलिस कमिश्नर और जिले के पुलिस थानों के इंस्पेक्टर को अभिभावकों के खिलाफ कार्रवाई करने का पत्र लिखा था। पुलिस कमिश्नर ने फर्जी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का जिम्मा इंस्पेक्टर को सौंपा था। इसे करीब तीन माह हो चुके हैं, लेकिन अभी तक किसी भी थाने में अभिभावकों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं हुआ है। डीईओ यू.एन.राठौड़ का कहना है कि कार्रवाई करने के लिए इंस्पेक्टरों को पत्र लिखा था। इसके बाद पुलिस की कार्रवाई कहां तक पहुंची, उसका पता नहीं है।

सूरत के एक लाख विद्यार्थियों ने फौजियों को लिखा पोस्टकार्ड

सूरत : सूरत सहित दक्षणि गुजरात के स्कूली छात्रों ने एक लाख पोस्टकार्ड लिखे है । यह

एक लाख खत देश के फौजियों के लिए लिखे गए है । जिनमे उनके सवीच्च बलिदान के लिए धन्यवाद किया गया है । यह पूरा अभियान सूरत एसवीएनआईटी के छात्रों द्वारा चलाया जा रहा है ।

जो शहर के स्कूलों में जाकर बच्चो से मिलते है और उन्हें फौजियों को खत लिखने कहते है इसतरह से 1 लाख बच्चो से सेनिको के लिए खत लिखवाए गए है ।

मनपा को पाल तालाब के उत्थान में रस नही

सूरत : पाल में करीब 35 हजार 610 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले तालाब को विकसित करने में मनपा को सात साल से अधिक लग गए। सबसे पहले वर्ष 2010 के अप्रेल में यहां ठेकेदार को वर्क आर्डर सौंपकर विकास कार्य शुरू कराने की कोशिश शुरू हुई थी, लेकिन थोड़ा काम होने के बाद जमीन गुजरात वाटर बोर्ड की होने की वजह से कार्य रुक गया। जमीन को अपने अधीन करने के लिए मनपा को कई साल लगे। नौ जनवरी, 2012 को मनपा को जगह हासिल करने में सफलता मिली। मनपा ने फिर तालाब विकसित करने का पहले चरण का काम शुरू करते हुए बजट में प्रस्ताव पारित करा लिया।

तालाब के गहरीकरण और कंपाउंड वॉल समेत मिट्टी का पाला बनाने का काम शुरू हुआ। इसके लिए करीब आठ लाख रुपए खर्च किए गए। मनपा ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत कार्य करने की सोच के साथ इसके काम को फिर रुकवा दिया, लेकिन पाल तालाब में किसी की रुचि नहीं थी। फिर से अपने स्तर पर इसे विकसित करने की योजना पर काम शुरू हुआ। करीब तीन चरण में यहां विभिन्न काम पूरे किए गए।

हॉर्टिकल्चर का काम पूरा होने के बाद तालाब को पानी से भरने के लिए मनपा ने हाइड्रोलिक विभाग और सिंचाई विभाग को पत्र लिखा। अभी तक पानी की व्यवस्था नहीं हुई है।

पालिका के जूनियर इंजीनियर 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए

सूरत : सूरत एंटी करप्शन ब्यूरो के अधिकारियों ने रांदेर ज़ोन के शहरी विकास खाता के जूनियर इंजीनियर को को पचास हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है ।

निर्माण कार्य करने देने की परमिशन के लिए जूनियर इंजीनियर एच एम पटेल ने शिकायतकर्ता से डेढ़ लाख रूपयो की मांग की थी । बाद में डील 50 हजार पर तय हुई । और आरोपी को रिश्वत लेते धरदबोचा गया ।

भेस्तान में पालिका की टीम पर हमला

सूरत : सूरत के भेस्तान इलाके में आए सूडा आवास में अवैध कंस्ट्रक्शन तोड़ने पहुँचे पालिका की टीम पर हमला कर दिया था । दअरसल तुड़जा भवानी मंदिर के बगल में यह अवैध निर्माण किया गया था जिसका अतिक्रमण हटाने के लिए पालिका के कर्मचारी मंदिर पर चप्पल पहने चढ़ गए जिसके बाद लोगो में गुस्सा फूट ओर लोगो ने टीम पर पत्थरबाजी शुरू की । मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस बल को बुला कर मामले को काबू में लिया गया । पुलिस ने लोगो को नियंत्रण में करने के लिए हल्का बल प्रयोग भी किया ।

चुनाव पूरा होते हार्दिक कानूनी कार्यवाही में फंस गया

मंजूरी बिना रैली करने पर हार्दिक के विरूद्ध शिकायत

मंजूरी बिना रैली आयोजित करने के प्रकरण में हार्दिक सहित ५० लोगों के विरूद्ध बोपल पुलिस स्टेशन में शिकायत

अहमदाबाद,गुजरात विधानसभा चुनाव पूरा होने के साथ ही सरकार के विरूद्ध पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति के कन्वीनर और पास के युवा नेता हार्दिक पटेल पर शिकायत दर्ज किया गया है । ११ दिसम्बर को बोपल से निकोल तक मंजूरी बिना रैली आयोजित करके अध्यादेश का भंग करने पर पास के नेता हार्दिक पटेल और उसके साथीदार में सुरेश पटेल, राजू पटेल सहित ५० लोगों के विरूद्ध शहर के बोपल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज किया गया है । पुलिस ने इस बारे में आगे की जांच शुरू की है । आगामी दिनों में इस प्रकरण में हार्दिक पटेल को गिरफ्तार किया जाए ऐसी संभावना है । जिसकी वजह से अपनी संभवित गिरफ्तारी से बचने के लिए हार्दिक द्वारा कोर्ट में अग्रिम जमानतअर्जी की जाए ऐसी संभावना दिखाई दे रही है । गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान पहले ११ दिसम्बर को बोपल से निकोल तक पाटीदार समाज की विशाल क्रांति रैली निकालने के मामले में पास के युवा नेता हार्दिक पटेल ने बोपल घुमा से निकोल तक की महाक्रांति रैली आयोजित की थी । जिसकी वजह से बापूनगर पुलिस स्टेशन के पीछे स्थित गुजरात हाउसिंग बोर्ड में रहते और असलाली में सर्कल ऑफिसर के तौर पर डयुटी करते रामूभाई धुलाभाई मकवाणा ने पास के कन्वीनर हार्दिक पटेल सहित के ५० लोगों के विरूद्ध शहर के बोपल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराया था । हार्दिक पटेल ने पहले आशंका व्यक्त की है कि, भाजपा सरकार द्वेषभावना रखकर चुनाव के बाद इसके विरूद्ध में अत्याचार की कार्यवाही करेगी, जो सही साबित हो रहा है । विधानसभा चुनाव पूरा होने के साथ ही हार्दिक पटेल पर शिकायत दर्ज कराया है। इसकी शिकायत बोपल पुलिस स्टेशन में दर्ज करायी गई यह शिकायत से हुई है।

के साथी सुरेश पटेल और राजू पटेल की तरफ से दस्क्रोई तहसील के मामलतदार अशोक ईश्वरभाई पटेल के पास मंजूरी मांगी गई थी लेकिन मामलतदार की तरफ से रैली की मंजूरी नहीं दी गई थी । फिर भी अतिरिक्त जिला मेजिस्ट्रेट के अध्यादेश का भंग हो इस तरीके से हार्दिक पटेल

हड्डियां गलाएं मोदी वाले बयान पर बोले जिग्नेश

राहुल गांधी कहें तब भी माफी नहीं मांगूंगा : मेवाणी

पीएम नरेंद्र मोदी बूढे हो गए है : वह वही अपने पुराने बोरिंग भाषण लोगों को सुना रहे है : जिग्नेश मेवाणी

अहमदाबाद, गुजरात चुनाव के बाद भी नेताओं की ओर से विवादित बयानबाजी जारी है। वडगाम से पहली बार विधायक चुने गए जिग्नेश मेवाणी ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने मोदी और बीजेपी के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली । मेवाणी ने गुजरात में बीजेपी की सीटें कम होने पर तंज कसते हुए पीएम को राजनीति से संन्यास लेने का भी सुझाव दे दिया । इतना ही नहीं, उन्होंने चुनौती देने वाले अंदाज में कहा कि राहुल गांधी के कहने पर भी वह अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगेंगे । जिग्नेश ने कहा, २०१९ के लिए हम पुरी तरह से तैयार हैं। पीएम नरेंद्र मोदी बूढे हो गए हैं । वह वही अपने पुराने बोरिंग भाषण लोगों को सुना रहे है । उन्हें अब राजनीति से ब्रेक लेना चाहिए और रिटायर हो जाना जाहिए । मोदी अब हिमाचल पर जाकर अपनी हड्डियां गलाएं । इस विवादित बयान को लेकर मामले के तूल पकड़ने के बाद जब उनसे कहा गया कि क्या वह इसके लिए खेद प्रकट करेंगे । जवाब में मेवाणी ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष भी मुझे बयान से पीछे हटने को कहेंगे तो भी मैं नहीं हटूंगा । मैं अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगने वाला । गुजरात में बीजेपी की सीटें कम होने पर उन्होंने कहा, मोदी और अमित शाह दावा कर रहे थे कि १५० सीटें जीतेंगे पर उनका घमंड टूट गया । यही २०१९ में भी होगा । यह हमारे आंदोलन की जीत है । हम सदन और सड़क पर अपने आंदोलन पर और जोर देंगे और २०१९ में उन्हें हटा देंगे । देश को अब हमारे जैसे दलित, युवा आंदोलनों से निकले युवाओं की जरूरत है । देश को बांटने वाली राजनिती अब जनता समझ चुकी है ।

चुने गये ओबीसी विधायक बढ़कर ६२ हुए

गुजरात चुनाव बाद गृह में ओबीसी की संख्या में वृद्धि

अहमदाबाद, वर्ष २०१७ में आयोजित हुई गुजरात विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी की गई है । गृह में ओबीसी की संख्या में उल्लेखनीय तरीके से वृद्धि हुई है। गृह की संख्या बढ़ने के लिए कई कारण रहे है । जाति लाइन की बात की जाए तो स्थिति अलग तरीके से सामने आती है। जाति आधारित आंदोलन के कारण मतदान में भी इसकी भूमिका रही है। एससी-एसटी और ओबीसी द्वारा हाल में अलग-अलग मुद्दे को लेकर आंदोलन किया गया था । वर्ष २०१७ के चुनाव में मतदाताओं ने ओबीसी विधायकों की पसंदगी ज्यादा की है । दोनों पार्टियों में से ६२ को चुना गया है । वर्ष २०१२ की तुलना में तीन विधायक ज्यादा है । पाटीदार के केस में लेउवा तथा कडवा दोनों में से ४५ विधायकों को चुना गया है । कांग्रेस पार्टी का संख्याबल जो वर्ष २०१२ में था इसके सामने दो कम है । ओबीसी विधायकों की बात की जाए तो १६ ठाकोर और १४ कोली केहोते हैं। ओबीसी ब्रेक अपनी बात किया जाए तो ठाकोर में १६, चौधरी के तीन, अहीर के छह, कोली के पांच, कोली पटेल के १४ और अन्य १८ शामिल है । जबकि अलग-अलग धर्म के सदस्यों की बात की जाए तो हिन्दू विधायक १७३ रहे है । जैन के तीन, मुस्लिम के तीन, इसाई का एक सदस्य है । पार्टी के साथ पाटीदार रहे इसके लिए भाजपा ने कई प्रयास किए हैं। कुल पाटीदार नोमिनेसन कोई बदलाव नहीं हुआ है । पार्टी ने ५२ पाटीदारों को मैदान में उतारा था । वर्ष २०१२ में भी ५२ पाटीदारों को मैदान में उतारा था। वर्ष २०१२ में कांग्रेस ने ५७ ओबीसी को मैदान में उतारा था।

भंगार के गोदाम में आग लगने पर व्यापक नुकसान

अहमदाबाद, अहमदाबाद शहर के घाटलोडिया क्षेत्र में बुधवार को दोपहर के समय में रत्नापार्क क्षेत्र में स्थित एक भंगार के गोदाम में किसी कारण से आग लगने पर आग को नियंत्रण में लेने के लिए म्युनिसिपल फायरब्रिगेड को ७ फायरफाईटरों की मदद लेना अनिवार्य हो गया । इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई है । फिर भी घटना के स्थल पर से म्युनिसिपल कॉर्पोरेटरों द्वारा उनके बजट से अलग-अलग क्षेत्रों में बेंच रखने के लिए दिया जाता बेंच मिलने से भारी विवाद खड़ा हो गया है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को दोपहर के समय में घाटलोडिया क्षेत्र में स्थित रत्नापार्क में स्थित भंगार के एक गोदाम में किसी कारण से आग लगने पर इस बारे में म्युनिसिपल फायरब्रिगेड को जानकारी दी गई थी । फायर विभाग को जानकारी मिलने के साथ ही ७ फायरफाइटर के साथ टीम घटना के स्थल पर पहुंच गई थी । जहां आग को नियंत्रण में लेने के लिए काफी मेहनत करना पड़ा था । गोदाम में लगी हुई आग को निकट में स्थित झोपडपट्टी में फैलने से रोकने के लिए फायर विभाग को काफी प्रयास करना पडा था ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com